जय तुलसी माता जी की आरती

जय तुलसी माता जी की आरती
जय जय तुलसी माता,
मैया जय तुलसी माता ।
सब जग की सुख दाता,
सबकी वर माता ॥

॥ जय तुलसी माता...॥

सब योगों से ऊपर,
सब रोगों से ऊपर ।
रज से रक्ष करके,
सबकी भव त्राता ॥

॥ जय तुलसी माता...॥

बटु पुत्री है श्यामा,
सूर बल्ली है ग्राम्या ।
विष्णुप्रिय जो नर तुमको सेवेि य जो नर तुमको सेवे,
सो नर तर जाता ॥

॥ जय तुलसी माता...॥

हरि केशीश विराजत
राजत,
त्रिभुवन से हो वंदित ।
त ।
पतित जनों की तारिणीणी,
तुम हो विख्याता ॥ख्याता ॥

॥ जय तुलसी माता...॥

लेकर जन्म विजन मेंजन में,
आई दिव्य भवन में ।व्य भवन में ।
मानव लोक तुम्हीं से,
सुख-संपति पाता ॥ पाता ॥

॥ जय तुलसी माता...॥

हरि को तुम अति प्यारी
प्यारी,
श्याम वर्ण सुकुमारी ।
ण सुकुमारी ।
प्रेम अजब है उनकाेम अजब है उनका,
तुमसे कैसा नाता ॥

हमारी विपद हरो तुमपद हरो तुम,
कृपा करो माता ॥

॥ जय तुलसी माता...॥

जय जय तुलसी माता,
मैया जय तुलसी माता ।
सब जग की सुख दाता,
सबकी वर माता ॥